University in News on 10 March 2022

JAGRAN CITY PAGE III

नकल करते धरे गए 10 परीक्षार्थी, फोन जब्त

लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ ही सम्बद्ध महाविद्यालयों में सचल दल ने किया औचक निरीक्षण

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में बुधवार को 10 परीक्षार्थी नकल करते धरे गए। सचल दल ने परिसर एवं अन्य केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान उनके पास से नकल सामग्री पकड़ी। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में दोपहर की पाली में एक छात्र के पास गाइड बरामद हुई। सभी 10 विद्यार्थियों के खिलाफ अनुचित साधन का प्रयोग करने के आरोप में कार्रवाई की गई है।

बुधवार को सुबह नौ से 12 बजे तक बीएससी तीसरे सेमेस्टर में केमिस्ट्री, बीए तीसरे सेमेस्टर में जाग्रफी, होम साइंस, फिजिकल एजुकेशन पेपर-2, बीकाम पांचवें सेमेस्टर में इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क फार बिजनेस सहित अन्य विषयों की परीक्षा थी। वहीं, दोपहर में बीए पांचवें सेमेस्टर में हिन्दी, फंक्शनल हिन्दी पेपर-1 की परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 17,552 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। दोनों पालियों में सचल दल ने परिसर व अन्य केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

छात्र के पास मिली गाइड : दोपहर की पाली में कामर्स की परीक्षा में एक छात्र के पास गाइड मिली। सुबह और शाम पांच-पांच परीक्षार्थी नकल सामग्री के साथ पकड़े गए। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बीकेटी में निरीक्षण के दौरान सचल दल ने कंट्रोल रूम, कैमरे और उसकी रिकार्डिंग भी देखी। वहीं, विश्वविद्यालय के अटल ब्लाक में परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं ने कापी पर पेपर कोड नहीं डाला था। कक्ष निरीक्षक ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। निरीक्षण करने पहुंचे प्राक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने उन्हें हिदायत दी और पेपर कोड भरवाया।

96 फीसद रही उपस्थिति : दोनों पाली की परीक्षाओं में 17,552 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि 17,134 ने परीक्षा दी, जबकि 418 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान पकड़ा मोबाइल : सुबह की पाली में बीएससी तीसरे सेमेस्टर की केमिस्ट्री विषय की परीक्षा थी। इस दौरान एक छात्र मोबाइल रखकर परीक्षा दे रहा था। सचल दल की नजर पड़ी तो उसे डांट लगाई और मोबाइल जब्त कर लिया।

एलएलबी, बीबीए के परिणाम जारी : लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2021 के एलएलबी इंटीग्रेटेड सातवें सेमेस्टर, बीबीए एमएस तीसरे सेमेस्टर, बीबीए पांचवें सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय तीसरे और पांचवें सेमेस्टर व बीबीए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के नतीजे बुधवार को जारी कर दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं।

विशेषज्ञों एवं स्टार्टअप उद्यमियों ने किया ज्ञानवर्धन

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सेंटर आफ एक्सीलेंस की ओर से चल रहे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का बुधवार को समापन हो गया। रिसर्च मैथडोलाजी इन इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट विषय पर आधारित कार्यक्रम में आइआइएम, दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कानपुर विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थाओं से 14 विशेषज्ञ एवं स्टार्टअप उद्यमियों ने प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जयपुरिया इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट की निदेशक प्रो. कविता पाठक ने अनुसंधान योग्यता, उसके बुनियादी ढांचे और भारतीय अनुसंधान की उच्च गुणवत्ता पर विस्तार से बात की। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

लवि के वाणिज्य विभाग में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन पर विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने मुख्य अतिथि प्रो. कविता पाठक को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया • सौ. लवि

लवि: अब कल से शुरू होंगी कक्षाएं, विस्तृत कार्यक्रम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने 10 मार्च को मतगणना की वजह से रेमेडियल एवं इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स की कक्षाओं की तिथि में बदलाव कर दिया है। अब यह कक्षाएं 11 मार्च से शुरू होंगी। विधि संकाय के डीन प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि रेमेडियल कक्षाओं का समय सुबह नौ से दोपहर तीन बजे तक और इंग्लिश स्पीकिंग की कक्षाएं दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक संचालित होंगी। इसका विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे छात्र जो रेमेडियल एवं इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स की कक्षा में पढ़ना चाहते हैं, वे निर्धारित समय पर नवीन परिसर स्थित विधि संकाय में उपस्थित हों।

कालीचरण कालेज में नए सत्र से बीएससी और बीबीए की पढ़ाई

केकेसी, शिया पीजी कालेज सहित कई अन्य सहायता प्राप्त महाविद्यालय भी नए कोर्स शुरू करने की प्रक्रिया में जुटे

जासं, लखनऊ : राजधानी के कई सहायता प्राप्त महाविद्यालयों ने नए सत्र से नए पाठ्यक्रम संचालित करने की तैयारी शुरू कर दी है। चौक के कालीचरण पीजी कालेज में इस बार बीएससी फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ, बीएससी कंप्यूटर साइंस, बीबीए, बीबीए आइबी पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकेंगे। वहीं, केकेसी, शिया पीजी कालेज सहित कई अन्य संस्थान भी नए कोर्स शुरू करने की प्रक्रिया में लगे हैं।

राजधानी में लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) से जुड़े 174 महाविद्यालय संचालित हैं। शैक्षिक सत्र 2022-23 में दाखिले के लिए अभी लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इस बीच कालेजों ने नए कोर्स के लिए तैयारी शुरू कर दी है। कालीचरण पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने बताया कि जुलाई से शुरू होने वाले नए शैक्षिक सत्र के लिए बीएससी पीसीएम में 60-60 सीटें, बीएससी कंप्यूटर साइंस में 40 और बीबीए में 60 सीटों पर प्रवेश की तैयारी पूरी कर ली गई है। फैकल्टी का चयन भी हो चुका है। जल्द आवेदन का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा। बीबीए आइबी कोर्स के लिए प्रक्रिया जारी है।

यहां भी कोर्स शुरू करने की तैयारी

श्री जय नारायण पीजी कालेज में बीएससी सांख्यिकी पाठ्यक्रम के स्थायी सम्बद्धता की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्राचार्य डा. मीता साह ने बताया कि अभी तीन वर्ष के लिए अस्थायी मान्यता मिली थी। अब इसे स्थायी करने के लिए आवेदन किया जाएगा। शिया पीजी कालेज में भी बीजेएमसी, बीकाम आनर्स व एमए इतिहास पाठ्यक्रम के लिए आवेदन लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जा चुका है। कालेज के मीडिया प्रभारी डा. प्रदीप ने बताया कि नैक मूल्यांकन को लेकर मामला रुका था। अब उसकी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट जल्द ही जमा कर दी जाएगी। नैक मूल्यांकन के बाद आगे की प्रक्रिया होगी।

i-NEXT PAGE 4

यूजी-पीजी एग्जाम के लिए यूनिवर्सिटी ने कसी कमर

वीसी ने परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से कराए जाने के लिए सुझाव मांगे हैं

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (9 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने यूजी व पीजी फर्स्ट सेमेस्टर एग्जाम की तैयारियां शुरू कर दी हैं. पहली बार हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली जिले में भी एग्जाम होना है इसलिए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने नोडल केंद्र अध्यक्षों के साथ बैठक कर एग्जाम शांतिपूर्ण कराए जाने के लिए सुझाव मांगे हैं. अब 12 मार्च को सभी नोडल केंद्रों की बैठक में एग्जाम की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी.

500 से अधिक कॉलेज

लखनऊ यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेजों की संख्या 500 से अधिक हो चुकी है. परीक्षा विभाग के अनुसार इस बार इस एग्जाम में करीब 1.5 लाख स्टूडेंट्स शामिल होंगे. चारों जिलों में 21 नोडल सेंटर बनाए जा चुके हैं और सेंटर्स के निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है. सोमवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने जो नोडल केंद्रों की बैठक बुलाई थी, इसमें करीब 10 केंद्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे. इस दौरान एग्जाम पर काफी चर्चा की गई.

मानक पूरे करने वाले कॉलेज ही सेंटर

चार जिलों में परीक्षा केंद्र सिर्फ उन्हीं कॉलेजों को बनाया जाएगा, जो मानक की कसौटी पर खरे उतरेंगे. डीन कॉलेज डेवलपमेंट कमेटी की ओर से कॉलेजों का निरीक्षण पहले ही कराया जा चुका है. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि यूजी व पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है. होली से पहले ही इसे जारी कर दिया जाएगा.

अनुसंधान के लिए जाने बुनियादी ढांचा क्या है

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (9 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी के वाणिज्य विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से प्रो. एसबी सिंह सभागार में राष्ट्रस्तरीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम हुआ. जिसमें आईआईएम, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईइडीयूपी, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ यूनिवर्सिटी एवं कानपुर यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं से 14 विशेषज्ञ एवं स्टार्ट अप उद्यमियों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया. मुख्य अतिथि प्रो. कविता पाठक ने अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे और उच्च गुणवत्ता पर विस्तार से बात की. उन्होंने युवा और नवोदित भारतीय शोधकर्ताओं के अनुसंधान को पोषण और गति प्रदान करने और उसके उत्थान के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए.

एलएलबी का रिजल्ट जारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि एलएलबी थर्ड इयर कोर्स के थर्ड सेमेस्टर दिसम्बर 2021 के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए हैं. इसके साथ ही एलएलबी इंट्रीग्रेटेड फिफ्थ सेमेस्टर, बीबीए एमएस थर्ड सेमेस्टर, बीबीए फिफ्थ सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय फिफ्थ सेमेस्टर एवं बीबीए थर्ड सेमेस्टर के परिणाम जारी किए जा चुके हैं.

इंग्लिश स्पीकिंग की क्लास 11 से

लॉ संकाय के स्टूडेंट्स के लिए 10 मार्च से शुरू होने वाली रेमेडियल एवं इंग्लिश स्पीकिंग क्लास को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है. अब ये क्लास 11 मार्च से शुरू होंगी. संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि क्लास सुबह नौ से दोपहर तीन बजे एवं तीन बजे से विधि संकाय में होगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मोबाइल व पर्ची लेकर परीक्षा देने पहुंचे 10 नकलची पकड़े

लविवि की यूजी परीक्षा का हाल, सचल दस्ते ने रंगेहाथ पकड़ा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की यूजी की परीक्षाओं में बुधवार को सबसे ज्यादा 10 नकलची पकड़े गए। एक परीक्षार्थी मोबाइल तो बाकी को पर्चियों के साथ सचल दस्ते ने पकड़ा। दोनों पालियों में पांच-पांच परीक्षार्थियों को परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग करने के आरोप में बुक किया गया।

लविवि की बुधवार को सुबह की पाली में बीएससी तृतीय, बीए जियोग्राफी तृतीय सेमेस्टर, होम साइंस फिजिकल एजुकेशन पेपर द्वितीय और बीकॉम पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा थी। वहीं, दूसरी पाली में बीबीए पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा थी। दोनों पालियों में सचल दस्तों ने लविवि अटल ब्लॉक समेत डिग्री कॉलेजों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुल 10 परीक्षार्थियों को नकल करते पकड़ा।

एक छात्र किसी तरह से मोबाइल परीक्षा कक्ष में ले जाने में सफल हो गया। जांच में उसके पास से मोबाइल मिला, जबकि बाकी नौ छात्र पर्चियों के साथ पकड़े गए। इन सभी की उत्तर पुस्तिका जमा करा ली गई और परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने के आरोप में बुक कर दिया गया। दोनों पालियों की परीक्षा के लिए कुल 17552 छात्र पंजीकृत थे। इनमें से 17134 छात्रों ने परीक्षा दी। 418 छात्र परीक्षा से अनुपस्थित रहे।

छह विषयों का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लविवि ने दिसंबर 2021 के नियमित व बैक पेपर परीक्षाओं के छह विषयों का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया। एलएलबी इंटीग्रेटेड सातवें सेमेस्टर, बीबीए एमएस तीसरे सेमेस्टर, बीबीए पांचवें सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय के पांचवें सेमेस्टर, बीबीए तीसरे और तीन वर्षीय एलएलबी के तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जारी हुआ है। परिणाम वेबसाइट पर अपलोड है। (माई सिटी रिपोर्टर)

रेमेडियल कक्षाएं कल से चलेंगी

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की ओर से रेमेडियल कक्षाएं और इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स 11 से शुरू किया जाएगा। पहले यह 10 मार्च से शुरू होना था, लेकिन मतगणना की वजह से इसमें तब्दीली की गई है। प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि कक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर तीन बजे तक चलेंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

कौशल के लिए जागरूकता जरूरी

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र में चल रही संगोष्ठी में बुधवार को बीएचयू के प्रो. पीएस त्रिपाठी ने अपने विचार रखे. विजन इन एक्शन विषय पर उन्होंने कहा कि जीवन कौशल के लिए आत्म जागरूकता, पारस्परिक कौशल और सोच कौशल जरूरी है.

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि : अनुसंधान पोषण और उत्थान के दिए सुझाव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से प्रो. एसबी सिंह सभागार में राष्ट्रस्तरीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम हुआ। इसमें आईआईएम, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईइडीयूपी, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कानपुर विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं से 14 विशेषज्ञ एवं स्टार्ट अप उद्यमियों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि प्रो. कविता पाठक ने अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे और भारतीय अनुसंधान की उच्च गुणवत्ता पर विस्तार से बात की। उन्होंने युवा और नवोदित भारतीय शोधकर्ताओं के अनुसंधान को पोषण व गति प्रदान करने और उसके उत्थान के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

लविवि ने जारी किया एलएलबी तृतीय सेमेस्टर का परिणाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम तृतीय सेमेस्टर दिसंबर 2021 के परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड हैं। इसके साथ ही एलएलबी इंट्रीग्रेटेड पांचवा सेमेस्टर, बीबीए एमएस तृतीय सेमेस्टर, बीबीए पांचवे सेमेस्टर, एलएलबी तीन वर्षीय पांचवां सेमेस्टर एवं बीबीए तृतीय सेमेस्टर के परिणाम जारी किए जा चुके हैं।

अब 11 मार्च से शुरू होंगी इंग्लिश स्पीकिंग कक्षाएं

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्र-छात्राओं के लिए 10 मार्च से शुरू होने वाली रेमेडियल एवं इंग्लिश स्पीकिंग कक्षाओं को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। पहले ये कक्षाएं 10 मार्च से शुरू होनी थीं लेकिन विधान सभा चुनाव 2022 की मतगणना की वजह से कक्षाओं को अब 11 मार्च से शुरू किया जाएगा। संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि कक्षाएं सुबह 9 से दोपहर 3 बजे एवं 3.15 बजे से शाम 5.15 बजे तक विधि संकाय के कक्ष संख्या तीन और पांच में होगी।

बाहरी लाए तो खुद भी हो जाओगे बाहर

i SPECIAL

एलयू के हॉस्टलों में पुख्ता की जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम हर दिन करेगी हॉस्टल का औचक निरीक्षण

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (9 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी के सभी हॉस्टलों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं. हॉस्टलों में प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम औचक निरीक्षण करेगी. प्रॉक्टर प्रोफेसर राकेश द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ बैठक कर हर दिन निरीक्षण का शेड्यूल तैयार किया है. प्रॉक्टर ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले सभी स्टूडेंट्स को चेतावनी दी गयी है कि अगर किसी बाहरी को हॉस्टल बुलाया तो हॉस्टल आवंटन भी रद किया जा सकता है.

चप्पे-चप्पे पर लगेंगे कैमरे

छात्र अधिष्ठाता कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन के निर्देश पर सभी हॉस्टलों में वह स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं. जहां सीसी टीवी कैमरे की सख्त जरूरत है. प्रो. टंडन ने कहा कि हॉस्टलों में प्रोवोस्ट आनलाइन निगरानी करेंगे. इसके साथ ही हॉस्टलों में कैमरे और डीवीआर के रख रखाव की जिम्मेदारी प्रोवोस्ट की होगी.

ब्वॉयज हॉस्टल में होगी सख्ती

प्रॉक्टर ने बताया कि मौजूदा समय में यूनिवर्सिटी के ओल्ड कैंपस में लड़कों के लिए छह और लड़कियों के लिए पांच हॉस्टल हैं. इन सभी हॉस्टलों के गेट पर सीसी टीवी कैमरे लगे हुए हैं, जरूरत के अनुसार और संख्या बढ़ाने की तैयारी है. प्रॉक्टर ने कहा कि सबसे ब्वॉयज हॉस्टल में सभी जरूरी जगहों पर कैमरे लगाए जाएंगे.

उठाए जाएंगे ये कदम

- सभी हॉस्टलों में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे
- हॉस्टलों के आसपास बढ़ेगी पुलिस की पेट्रोलिंग
- प्रॉक्टोरियल बोर्ड हर दिन हॉस्टल का करेगा निरीक्षण

एक भी आरोपी नहीं आया पकड़ में

बीते शुक्रवार देर रात एलबीएस हॉस्टल में मारपीट की घटना सामने आई थी. जिसमें अमन को गंभीर चोटें आई थी. इस मामले में छह लोगों के खिलाफ हसनगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी. इसके बाद चार छात्रों को निलंबित कर दिया गया था. हालांकि पुलिस अभी इस मामले में एक भी आरोपी छात्र को गिरफ्तार नहीं कर सकी है. पुलिस के अनुसार इन सभी के मोबाइल की लास्ट लोकेशन लखनऊ में ही मिली है. जल्द सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

लवि का शोध | जंतु विज्ञान विभाग की प्रोजेक्ट विज्ञानी ने किया अनुसंधान, यूजीसी भेजी जाएगी रिपोर्ट

अब खून की जांच से चलेगा मुंह के कैंसर का पता

अखिल सक्सेना • लखनऊ

जागरण विशेष

अब मुंह के कैंसर का पता लगाना आसान होगा। इसके लिए खून की एक जांच ही पर्याप्त होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के जंतु विज्ञान विभाग की प्रोजेक्ट विज्ञानी डा. दिव्या टंडन ने मरीजों के खून के नमूने और टिश्यू के जरिए शोध कर सेंट्रोसोमल प्रोटीन (सेप)-55 बायो मार्कर ढूंढ लिया है। इससे मुंह के कैंसर की जानकारी के साथ-साथ उसके स्टेज का भी पता चल सकेगा। यह जांच भी सस्ती होगी।

देश में मुंह का कैंसर तीसरी सबसे खतरनाक व जानलेवा बीमारी है। हर साल देश में इस बीमारी से मरने वाले मरीजों की संख्या लगभग 52 हजार है। अक्सर इस बीमारी का पता काफी देर से चलता है। अभी तक बायोप्सी व अन्य कई तरह की जांचों से इसका पता लगाया जाता है। इसको लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में प्रोजेक्ट विज्ञानी डा. दिव्या टंडन ने शोध किया है। उनके अनुसार बायोमार्कर से बीमारी का शीघ्र पता चल सकेगा और इलाज की दिशा तय हो सकेगी।

डा. दिव्या टंडन, प्रोजेक्ट विज्ञानी, जंतु विज्ञान विभाग, लवि • सौ. स्वयं

600 मरीजों के लिए गए टिश्यू और खून के नमूने

डा. दिव्या ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अप्रैल 2019 में मुंह के कैंसर पर शोध के लिए प्रोजेक्ट दिया था। उन्होंने जंतु विज्ञान विभाग की मालीकुलर एंड ह्यूमन जेनेटिक लैब में प्रो. मोनिषा बनर्जी के साथ मिलकर यह शोध किया। इसके लिए लखनऊ कैंसर इंस्टीट्यूट से 600 मरीजों के टिश्यू और खून के नमूने लिए गए। इनमें 300 मरीज मुंह के कैंसर से पीड़ित थे।

शोध का परिणाम

शोध के दौरान डीएनए (डीआक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड), इम्यूनो हिस्टो केमेस्ट्री और आरएनए (राइबो न्यूक्लिक एसिड) एक्सप्रेशन एनालिसिस आदि का प्रयोग कर सेप-55 नाम का बायो मार्कर खोजने में सफलता मिली है। बायोमार्कर एक अणु या पदार्थ है, जो शरीर में कैंसर की उपस्थिति का संकेत देता है। इसके जरिए मुंह के कैंसर को सिर्फ खून के नमूने के माध्यम से पता किया जा सकेगा। साथ ही कैंसर स्टेज पता चल सकेगा। डा. दिव्या ने बताया कि शोध की रिपोर्ट जल्द ही यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) को भेजी जाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 3

सतर्कता | छात्रावासों में लगेंगे सीसीटीवी, वार्डेन करेंगे निगरानी, प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम हर दिन करेगी औचक निरीक्षण

लखनऊ विवि के हॉस्टलों में सख्त होगी सुरक्षा

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी हॉस्टलों में अब सीसीटीवी लगाकर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। इसके साथ ही हॉस्टलों के आसपास पुलिस पेट्रोलिंग भी बढ़ाई जाएगी। इसके लिए प्रॉक्टर ने पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखने का निर्णय लिया है। वहीं, प्रॉक्टोरियल बोर्ड हर दिन हॉस्टलों का औचक निरीक्षण भी करेगा। छात्र अधिष्ठाता कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन के निर्देश पर सभी हॉस्टलों में वह स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं जहां सीसीटीवी की सख्त आवश्यकता है। प्रोफेसर टंडन ने कहा कि हॉस्टलों में प्रोवोस्ट ऑनलाइन निगरानी करेंगे। साथ ही हॉस्टलों में कैमरे और डीवीआर के रख रखाव की जिम्मेदारी प्रोवोस्ट की तय की जाएगी। बता दें कि बीते शुक्रवार की देर रात एलबीएस हॉस्टल में कुछ बाहरी छात्रों ने मारपीट की थी। इसमें छात्र अमन को गंभीर चोटें आई थीं। उसका पैर भी तोड़ दिया गया था। इस संबंध में हसनगंज कोतवाली में 6 आरोपियों के खिलाफ के नामजद एफआईआर पीड़ित छात्र के पिता की ओर से दर्ज करायी गई थी। इसके बाद 4 छात्रों को निलंबित कर दिया गया था।

आरोपी छात्र पुलिस पकड़ से दूर

छात्र अमन को घायल करने वाले एक भी आरोपी छात्र को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस के मुताबिक, सभी छात्रों के मोबाइल नंबर बंद हैं।

ब्वायज हॉस्टल में होगी सख्ती

प्रॉक्टर ने बताया कि मौजूदा समय में विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस में लड़को के लिए 6 हॉस्टल और लड़कियों के लिए 5 हॉस्टल हैं। इन सभी हॉस्टलों के गेट पर सीसीटीवी लगे हुए हैं। विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस जनकीपुरम में छात्रों के दो और छात्राओं के दो हॉस्टल हैं। जरूरत के अनुसार और संख्या बढ़ाने की तैयारी है।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड करेगी निरीक्षण

हॉस्टलों में प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम औचक निरीक्षण करेगी। प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ बैठक कर हर दिन निरीक्षण का शेड्यूल तैयार किया है। प्रॉक्टर ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले सभी छात्र-छात्राओं को चेतावनी दी गई है कि अगर किसी बाहरी छात्र या मित्र को बुलाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

FIRST INDIA PAGE 12

Improving Employability!

CITY FIRST

Lucknow University announced a deal with Awoke India, a training, consultancy, and social organisation, on Tuesday to improve students' employability by providing practical and on-the-job instruction in financial management.

Prof Alok Rai, vice-chancellor of LU, and PK Dwivedi, director of Awoke India, signed the MoU.

Under the terms of the agreement, LU's counselling and guiding cell will assist with start-up and entrepreneurial mentoring.

"Students will be provided internships, training programmes, and seminars in partnership with the Awoke India group," said Prof Madhurima Pradhan, director of LU's counselling and advisory department.

This will help in providing new-age career skills and practices on the ground learning opportunities in emerging areas of finance thereby enhancing their employability.

"This industry-academia partnership will support our students to understand the basics of entrepreneurship and entering into start-ups," said Prof Rai.

INDIAN EXPRESS

30 University of Lucknow students receive certificates under Karmayogi Scheme

University of Lucknow Vice Chancellor Prof Alok Kumar Rai endorsed and acknowledged the first batch of students under the Karmyogi Scheme. Thirty students received a certificate of appreciation and Rs 15,000 for their services rendered in the 'To Earn While Learn' initiative that provides financial support to the students. The scheme is a drive initiated by Prof Rai to implement clause 14.4.2 of the NEP 2020 in the University. Prof Poonam Tandon, Dean Student Welfare framed the scheme with an intention to foster equity and inclusion in the university. She said that the Karmyogi Scheme provides an opportunity for the students to develop their skills and make themselves reliant. Under the scheme, the university encourages students to take up part-time jobs in the campus to partially support their expenditure. The students were from different programmes across semesters at UG, PG, and Phd levels. They performed various jobs in different departments and offices within the main and second campus of the university. They were elated and expressed happiness on receiving their first earning. They perceive this scheme as a novel student-centric initiative outside the classroom that is aimed at holistic development of students in the campus. Registrar Dr Vinod kumar Singh, Controller of Examinations Vidyanand Reipathi, Chief Proctor Prof Rakesh Dwivedi, and additional deans of the Student Welfare — Prof Amritanshu Shukla, Prof Sangeeta Sahu, Dr Alka Mishra, Dr Vineeta Kacher and Dr Raghavendra Pratap Singh — were also present.

TRUE TIMES PAGE 1

लखनऊ विशिवद्यालय के वाणिज्य विभाग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के द्वारा प्रो. एस बी सिंह सभागार में राष्ट्रस्तरीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया

ट्रू टाइम्स संवाददाता

रिसर्च मैथडोलॉजी इन इंटेप्रेनुएरशिप डेवेलोपमेंट शीर्षक के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता एवम् संरक्षण में हुआ। आईआईएम, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, आई इ डी यू पी, जैपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं कानपुर विश्वविद्यालय जैसे प्रख्यात अकादमी संस्थाओं से 14 विशेषज्ञ एवं स्टार्ट अप उद्यमियों ने प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम के संयोजक वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार, सह संयोजक प्रो. राम मिलन एवं आयोजन सचिव डॉ सुनीता श्रीवास्तव और डॉ गीतिका टी कपूर रहे। समापन कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं छात्र - छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदन से हुई। डॉ गीतिका टी कपूर ने सभी अतिथियों का स्वागत कर पूरे सप्ताह के कार्यक्रम में आयोजित सत्रों का विस्तार से विवरण किया एवं कार्यक्रम की उपलब्धियों और उसकी सफलता से सभी को अवगत कराया।

कार्यक्रम के संयोजक और वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि कैसे इस कार्यक्रम ने छात्रों की सहायता अनुसंधान पद्धति की तकनीकों को आत्मसात करने और उनका उपयोग उद्यमिता से संबंधित अनुसंधान समस्याओं को हल करने में की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. कविता पाठक, जो कि मार्केटिंग क्षेत्र में प्रोफेसर हैं और जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ की निदेशक हैं, ने अपने ज्ञानवर्धक शब्दों से प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन किया । उन्होंने अनुसंधान योग्यता, अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे और भारतीय अनुसंधान की उच्च गुणवत्ता पर विस्तार से बात की। उन्होंने युवा और नवोदित भारतीय शोधकर्ताओं के अनुसंधान को पोषण और गति प्रदान करने और उसके उत्थान के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

उन्होंने आयोजकों, प्रतिभागियों, संकाय प्रमुख और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया। इसके पश्चात एफडीपी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक सप्ताह तक चलने वाला यह एफडीपी एक शानदार और सफल कार्यक्रम रहा जिसे प्रतिभागियों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। सत्र का समापन डॉ. सुनीता श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि और विभाग के सदस्यों को उनकी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार के नेतृत्व में विभाग की उपलब्धियों की बात की, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण एमबीए (वित्त और लेखा) की शुरूआत थी और साथ ही साथ फरवरी 2021 में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, जनवरी 2021 में एक ऑनलाइन एफडीपी और हाल ही में एक प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अरिटस्टिक माइंड्स- ब्रेकिंग द मिराज ऑफ द सोसाइटी' आयोजन करना भी उपलब्धियों में शामिल हैं। उन्होंने सभी विशेषज्ञों का उनके ज्ञानवर्धक सत्रों के लिए और आयोजन समिति का उनकी कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास केंद्र में हुआ कार्यक्रम

ट्रू टाइम्स संवाददाता

मानव संसाधन विकास केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय रूसा प्रायोजित संगोष्ठी के क्रम में आज कार्यक्रम के दूसरे दिन एचआरडीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर कमल कुमार और समन्वयक एवं मानव विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रो केया पांडे द्वारा आयोजित किया गया।

दोपहर से पूर्व सत्र में प्रबंधन अध्ययन संकाय, बीएचयू के प्रो.पी.एस. त्रिपाठी ने 'विजन इन एक्शन' विषय पर एक प्रस्तुति आधारित व्याख्यान प्रदान किया, जहां उन्होंने भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को प्राचीन भारतीय ज्ञान के साथ एकीकृत कर आकांक्षाओं को चैनलाइज करके मध्यकालीन युग के दौरान मौजूद भारत की आर्थिक समृद्धि के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उद्यमिता को 'आधुनिक कामधेनु' कहा। जीवन कौशल के लिए, उन्होंने कहा कि हम इसे तीन महत्वपूर्ण उपकरणों यानी आत्म जागरूकता, पारस्परिक कौशल और सोच कौशल के साथ प्रबंधित कर सकते हैं। उन्होंने रोजगार योग्यता कौशल, अवसर की पहचान की गतिशीलता पर भी ध्यान केंद्रित किया।

दोपहर के सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर निशि पांडे ने बहुविषयक और समग्र शिक्षा पर बात की। उन्होंने कहा कि रचनात्मक मानवीय प्रयासों की सभी शाखाओं को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बनभट्ट की कादंबनी एक अच्छी शिक्षा को 64 कला स्तोत्रों के ज्ञान के रूप में वर्णित करती है। उन्होंने शिक्षा प्रणाली में प्रयुक्त विभिन्न शब्दों का भी वर्णन किया - अंतःविषय, अंतःविषय, पार अनुशासनिक और बहु अनुशासनिक।

एलयू में सात दिवसीय संगोष्ठी के दूसरे दिन भारतीय संविधान के मूल्यों पर चर्चा

लखनऊ। मानव संसाधन विकास केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय रूसा प्रायोजित संगोष्ठी के क्रम में आज कार्यक्रम के दूसरे दिन एचआरडीसी, लविवि के निदेशक प्रोफेसर कमल कुमार और समन्वयक एवं मानव विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रो. केया पांडे द्वारा आयोजित किया गया। दोपहर से पूर्व सत्र में प्रबंधन अध्ययन संकाय, बीएचयू के प्रो. पीएस त्रिपाठी ने विजन इन एक्शन विषय पर एक प्रस्तुति आधारित व्याख्यान प्रदान किया। जहां उन्होंने भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को प्राचीन भारतीय ज्ञान के साथ एकीकृत कर आकांक्षाओं को चैनलाइज करके मध्यकालीन युग के दौरान मौजूद भारत की आर्थिक समृद्धि के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर जोर दिया। जीवन कौशल के लिएए उन्होंने कहा कि हम इसे तीन महत्वपूर्ण उपकरणों यानी आत्म जागरूकता, पारस्परिक कौशल और सोच कौशल के साथ प्रबंधित कर सकते हैं। उन्होंने रोजगार योग्यता कौशल, अवसर की पहचान की गतिशीलता पर भी ध्यान केंद्रित किया। दोपहर के सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर निशि पांडे ने बहुविषयक और समग्र शिक्षा पर बात की। उन्होंने कहा कि रचनात्मक मानवीय प्रयासों की सभी शाखाओं को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बनभट्ट की कादंबनी एक अच्छी शिक्षा को 64 कला स्तोत्रों के ज्ञान के रूप में वर्णित करती है।